महत्वपूर्ण एवं खास

विद्युत पोल से टकराए बाइक सवार : मौत

रायपुर (आरएनएस)। पेंड्रा थाना क्षेत्र के घघरा गांव में कल एक तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सडक़ किनारे लगे बिजली के खंभे से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं एक गंभीर रूप से घायल ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है, वहीं शव पीएम के लिए भेज दिया है। सूत्रों ने बताया कि पुलिस ने इस मामले में भारी लापरवाही बरती है। मर्ग कायम करने के बाद पुलिस ने कानूनी कार्यवाही पूरी करने के पहले ही शव परिवार को सौंप दी थी। परिजन भी शव लेकर अंतिम संस्कार करने पहुंच गए थे। इधर पुलिस को जब इसकी जानकारी मिली तो टीम भागते हुए श्मसानघाट पहुंची और शव को दोबारा अपने कब्जे में लेकर अस्पताल पहुंची। इस हादसे में बाइक के पीछे बैठे वीरदास निवासी बस्तीबगरा की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं गंभीर रूप से घायल चालक सीताराम पनिका निवासी बेदरचुआ को आसपास के लोगों ने संजीवनी एक्सप्रेस की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसकी भी मौत हो गई।

नाव पलटने से दंपत्ति की मौत

कोरबा-रायपुर (आरएनएस)। अपनी पत्नी के साथ बांगो बांध में मछली पकडऩे गए एक दंपत्ति की नाव पलटने से मौत हो गई। पूरा मामला लेमरू थाना क्षेत्र का है है। सूत्रों ने बताया कि पति-पत्नी दोनों एक नाव में सवार होकर मछली पकड़ रहे थे, इसी दौरान आंधी-तूफान के साथ बारिश शुरू हो गई और दोनों की नाव पलटने से मौत हो गई। मृतक दंपत्ति कांटाद्वारी के रहने थे। हादसे की सूचना पर लेमरू थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। पुलिस ने शव को पानी से बाहर निकालकर पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

घर घूसकर तलवार से हमला : गिरफ्तार

जशपुर-रायपुर (आरएनएस)। पुरानी रंजिश के चलते घर घुसकर तलवार मारने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पूरा मामला सन्ना थाना क्षेत्र का है। यहां रहने वाले कलीमुल्लाह सिद्दीकी की रंजिश पवन सिंह नामक युवक से थी। 21 जुलाई को कलीमुल्लाह अपने घर के पास ही बैठा हुआ था। इसी दौरान पवन सिंह वहां से गुजरा तो पुरानी रंजिश को लेकर दोनों के बीच फिर से कहासुनी हो गई। दोनों के बीच मामला गाली-गलौच तक पहुंचा तो पवन सिंह आपे से बाहर हो गया। इसके बाद वह तलवार लेकर कलीमुल्लाह को मारने दौड़ाया। प्रार्थी डर कर अपने घर में जा घुसा, पीछे-पीछे पवन सिंह भी पहुंचा और उसे मारने का प्रयास करने लगा। इस पर कलीमुल्लाह की मां जाहिदा खातून ने पवन सिंह को रोकने का प्रयास किया, इसमें वह चोटिल हो गई। प्रार्थीया की शिकायत पर सन्ना पुलिस ने आरोपित पवन सिंह के खिलाफ 452, 394, 506, 323 और आम्र्स एक्ट की धारा 25,27 के अंर्तगत अपराध दर्ज किया है।

आईपीएस अमित कुमार को मिली सीबीआई के एसीबी विंग्स की कमान

रायपुर (आरएनएस)। भारतीय पुलिस सेवा 1998 बैच के छत्तीसगढ़ कैडर के आईपीएस अधिकारी अमित कुमार केन्द्रीय जांच एजेंसी में प्रतिनियुक्ति पर हैं। अब उनके बेहतर परफार्मेंस को देखते हुए सीबीआई ने उन्हें एंटी करप्शन विंग्स की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है। आईपीएस अमित कुमार सीबीआई में ज्वाइंट डायरेक्टर के पद पर पदस्थ हैं। बताया जा रहा है कि अमित कुमार 2011 में चार वर्ष की प्रतिनियुक्ति पर सीबीआई में गए थे, लेकिन उनकी प्रतिनियुक्ति को करीब 12 साल हो गए है। केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर जाने से पहले अमित कुमार यहां रायपुर और दुर्ग जैसे महत्वपूर्ण जिलों के पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं।

प्रदेश में 4 सालों में नदी तट के 4 हजार से अधिक हेक्टेयर रकबा हरीतिमा से आच्छादित

❒ 47 लाख पौधे के वृक्षारोपण से 40 नदियों का तट हुआ हरा-भरा

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में विगत 04 वर्षों के दौरान 'नदी तट वृक्षारोपण' कार्यक्रम के तहत 40 विभिन्न नदियों के तट पर 46 लाख 76 हजार 729 पौधों का रोपण किया गया है। इसके रोपण से नदी तट के 4 हजार 321 हेक्टेयर रकबा हरीतिमा से आच्छादित और फल-फूल के पौधों से सुरभित हो रहे हैं, जो विशेष आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा नदी तट रोपण का कार्य किया गया। इनका रोपण कैम्पा तथा विभागीय मद सहित नदी तट वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत किया गया है। नदी तट रोपण कार्यक्रम के तहत विगत 04 वर्षों के दौरान शामिल नदियों में शिवनाथ, इन्द्रावती, फुलकदेई, केंदई, लीलागर नदी, महानदी, हसदेव, आगर, रेड नदी, मेघानाला, झींका नदी, केलो नदी, मोरन, सोंढूर, ईब नदी, पैरी नदी, तान्दुला, नारंगी, बांकी नदी, गलफुला, हसदो नदी, नेउर नदी, केवई, खटम्बर, भैसुन, चूंदी, भवई नदी, बनास नदी, रांपा नदी तथा भुलू नदी, महान नदी आदि शामिल हैं।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक व्ही. श्रीनिवास राव ने बताया कि इनमें वर्ष 2019 के दौरान नदी तट वृक्षारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत 831 हेक्टेयर रकबा में 9 लाख 14 हजार पौधों का रोपण किया गया। इसी तरह वर्ष 2020 के दौरान 845 हेक्टेयर रकबा में 8 लाख 77 हजार पौधों, वर्ष 2021 के दौरान 01 हजार 647 हेक्टेयर रकबा में 17 लाख 87 हजार पौधों और वर्ष 2022 के दौरान 999 हेक्टेयर रकबा में 11 लाख पौधों का रोपण किया गया है।

प्रदेश में नदी तट वृक्षारोपण कार्य से 9 लाख 63 हजार मानव दिवस रोजगार का सृजन हुआ है। साथ ही नदी तट कार्यक्रम अंतर्गत कृषि कार्य तथा सब्जी उत्पादन जैसे कार्यों से निकटवर्ती 372 ग्रामों के लोग सीधे-सीधे लाभान्वित हुए हैं। नदी तट वृक्षारोपण के फलस्वरूप एक ओर जहां स्थानीय ग्रामीणों को वृक्षारोपण कार्यों से रोजगार की प्राप्ति हुई है, वहीं दूसरी ओर नदी तट के समीपस्थ किसानों को भूमि कटाव की कमी से कृषि कार्य में सुविधा तथा उत्पादन में वृद्धि का भी लाभ प्राप्त हो रहा है। इसके तहत फलदार पौधों के वृक्षारोपण से ग्रामीणों की आय में बढ़ोत्तरी भी हो रही है। इसके अलावा स्थानीय ग्रामीणों अंतर्वतीय फसल तथा नदी किनारे सब्जी उत्पादन का कार्य भी कुशलतापूर्वक कर रहे हैं।

तृतीय सावन सोमवार

श्रद्धालुओं ने भोलेनाथ का किया जलाभिषेक एवं दुग्धाभिषेक

रायपुर (आरएनएस)। सावन मास के शुभ अवसर पर तृतीय सावन सोमवार को श्रद्धालुओं ने राजधानी सहित पूरे प्रदेश भर में शिवालयों में पहुंचकर नदी अथवा तालाब में स्नान कर सुबह सुबह लाइन में लगकर भोले भंडारी के दर्शन किये। भक्तों ने शिवलिंग का जलाभिषेक एवं दुग्धाभिषेक कर विधिवत पूजा अर्चना की। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार सावन मास में महादेव के दर्शन करने पर वे प्रसन्न होकर श्रद्धालुओं की मनोकामना पूर्ण करते हैं। उक्त अवसर पर अनेक भक्तों द्वारा अपने घरों एवं मंदिरों में महा मृत्युंजय का जाप कराकर अपने बुजुर्गों की स्वास्थ्य के देखभाल के मद्देनजर विधिवत पूजा अर्चना करायी। अविवाहित कन्याओं के लिए श्रद्धापूर्वक भोलेनाथ का पूजन करने पर उन्हें माता पार्वती की तरह मनोवांछित वर की प्राप्ति होती है।

विभिन्न खामियों के साथ चल रहीं स्कूल बसें, जांच के बाद 29 पर जुर्माना

❒ एक लाख एक हजार एक सौ रुपए की जुर्माना राशि की वसूल

कोरबा (आरएनएस)। स्कूली बच्चों की जान को जोखिम में डाल कर स्कूल प्रबंधन द्वारा किस तरह से बसों को चलाया जा रहा इसका पर्दाफाश बसों की जांच के बाद हुआ है। रविवार को जिला परिवहन विभाग ने जिले में विभिन्न् स्कूलों के 69 बसों के फिटनेस की जांच की। जिसमें 29 बसें अनफिट पाई गई। स्कूल प्रबंधनों विभाग ने 1,01100 रूपये का अर्थदंड लगाया है।

शिक्षा के व्यवायीकरण के दौर में अभिभावकों से स्कूल फीस के नाम पर किस तरह से लूट मची है यह किसी से छिपी नहीं है। ऊपर से बच्चों को परिवहन सुविधा के नाम पर अनफिट बसों से घर से स्कूल तक लाने ले जाने का काम किया जा रहा है। रविवार को जिला परिवहन विभाग ने शहर के बड़े स्कूलों से संचालित 69 बसों का निरीक्षण किया। जिसमे बसों की जांच के दौरान खिडक़ी में जाली की कमी, खिडक़ी का शीशा टूटा हुआ पाया गया। इसके अलावा नामांकित चालकों के लाइसेंस में नवीनीकरण नहीं होना भी खामियों में शामिल है। बताना होगा कि तेज धूप का असर होने की वजह इस बार शिक्षा सत्र की शुरूआत 26 जून को हुई। इस बीच परिवहन विभाग की ओर से स्कूलों को नोटिस जारी कर वाहनों का परीक्षण कराने के लिए सूचना दी गई थी। इसके बाद भी स्कूल संचालक परीक्षण के लिए नहीं पहुंचे।

बहरहाल जांच के दौरान मिले खासी तादाद में मिली अनफिट बसों की संख्या ने स्कूल प्रबंधन के लापरवाही की पोल खोल दी है। बताना होगा जिले में 298 निजी स्कूलों को संचालन हो रहा है। जिनके पास 213 बस व वेन उपलब्ध हैं। समय पर जान नहीं होने से परिवहन विभाग की जिम्मेदारी की भी पोल खुल गई है। परिवहन बसों की जांच शहरी क्षेत्र के स्कूलों में तक ही सीमित हैं। उपनगरीय क्षेत्र तक विभाग की पहुंच नहीं होने की वजह से प्रतिबंधित आटो रिक्शा में भी बच्चों को लाने ले जाने का काम किया जा रहा है।

बीते वर्ष कोरबा से कटघोरा बच्चों को छोडऩे जा रही स्कूल वेन में आग लग गई थी। बस में कुल सात बच्चे सवार थे। चालक की समझदारी से बच्चों को समय रहते उतार लिया गया। सूझबूझ से काम नहीं लिए जाने पर बड़ी घटना हो सकती थी। उसके पहले साल चलती बस से पहिया निकल की घटना सामने आया था। दुर्घटना के बावजूद भी स्कूल प्रबंधन बच्चों की जान से खिलवाड़ करते हुए अनफिट बस चल रहें हैं।

जिला परिवहन कार्यालय तंग जगह में संचालित हो रहा है। कार्यालय के सामने इतनी जगह नहीं कि एक साथ सामूहिक रूप से वाहनों का फिटनेस जांच किया जा सके। परिवहन विभाग के नियमानुसार वाहनों के फिटनेस की जांच कराने की जिम्मेदारी स्कूल प्रबंधन की हैं। प्रबंधन द्वारा शुल्क को तो वसूल लिया जाता है लेकिन समय फिटनेस जांच नहीं की जाती है। इसके अलावा सामुहिक रूप परिवहन विभाग की ओर स्कूल वार परीक्षण नहीं किए जाने अनफिट बसों से बच्चों का परिवहन हो रहा है।

अगस्त में 14 दिन बंद रहेगा बैंक

रायपुर, 24 जुलाई (आरएनएस)। बैंकों में यदि आवश्यक कार्य है तो इसे जल्द से जल्द पूरा करा लें, अगस्त माह में आने वाले विभिन्न पर्व-त्योहारों के चलते बैंक में अवकाश रहेगा। लिहाजा जरूरी कामकाज को पहले ही पूरा कर लेना श्रेयस्कर होगा।

अगस्त माह में व्रत-त्योहार की भरमार है, लिहाजा इस पर्वों में बैंकों में अवकाश रहेगा। अगस्त में कुल 14 दिन तक सभी पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर बैंकों में कामकाज बंद रहेगा। इससे ग्राहकों को बैंक से जुड़े काम प्रभावित हो सकता है और अनावश्यक परेशानी उठानी पड़ सकती है। अगस्त में पडऩे वाली 14 दिनों की छुट्टियों में 4 रविवार और 2 शनिवार की छुट्टियां भी शामिल है। हालांकि, ग्राहक ऑनलाइन सर्विस जैसे ऑनलाइन बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग से अपना काम निपटा सकते हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक की छुट्टियों की लिस्ट के अनुसार अगस्त में शनिवार और रविवार समेत कुल 14 दिन बैंक बंद रहेंगे। अगस्त महीने में 4 रविवार हैं, जबकि दूसरे और चौथे शनिवार को बैंक की छुट्टियां हैं। यानी, पूरे देश में ये 6 छुट्टियां तय हैं। इनमें से कुछ छुट्टियां देश भर के बैंकों पर लागू होंगी, जबकि कुछ राज्यों और एरिया में लागू होंगी। बैंक हर महीने के पहले और तीसरे शनिवार को खुले रहते हैं। इनमें से कुछ बैंक छुट्टियां राज्यों की होती है और नेशनल छुट्टियों के दौरान देश भर के सभी बैंक बंद रहेंगे।

आरक्षक की नौकरी लगाने के नाम पर ठगे 26 लाख, पिता-पुत्र गिरफ्तार

कोरबा (आरएनएस)। आरक्षक की नौकरी लगाने के नाम पर पिता. पुत्र समेत चार ने छह लोगों को 26 लाख रूपये ठग लिए। शिकायत पर पुलिस ने पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर लिया, जबकि उनके दो साथी फरार हो गए। आरोपित की पुलिस पतासाजी कर रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार बाल्को के सेक्टर.पांच में निवासरत सुरजीत पांडेय व उसके तीन सहयोगियों ने अपनी ऊंची पहुंच और जान-पहचान का हवाला देकर ठगी की घटना को अंजाम दिया। इनकी बातों पर भरोसा कर दो लोगों ने पांच-पांच लाख रूपये व चार लोगों ने चार-चार लाख रूपये कुल 26 लाख रुपये सुरजीत व उसके साथियों को प्रदान किया। वर्ष 2019-20 में इन छह लोगों से रुपए लेने के बाद आरक्षक में भर्ती होने संबंधी नियुक्ति पत्र ज्वाइनिंग लेटर प्रदान कर दिया। जब नियुक्ति पत्र के आधार पर पीड़ित ज्वाइनिंग देने पहुंचे तो उन्हें उनके साथ हुई धोखाधड़ी का पता चला।

सभी पीड़ितों ने सुरजीत व उसके साथियों से रूपये वापस मांगा, तो टालमटोल की नीति अख्तियार की गई। बाद में आरोपितों ने लगभग साढ़े नौ लाख रूपये वापस लौटा दिया। शेष रकम की वापसी में आना-कानी करने लगे। थक.-हारकर पीड़ितों ने बाल्को थाना में सुरजीत पांडेय, उसके पुत्र गीतेश पांडेय व दो अन्य के विरुद्ध धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने धारा 34, 420, 467, 468, 471 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया।

अपर कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी लोगों की समस्याएं

❒ बुजुर्ग पारवती को जनदर्शन में मिला अन्त्योदय राशन कार्ड

सारंगढ़-बिलाईगढ़। कलेक्टर डॉ. फरिहा आलम सिद्दीकी के निर्देशन में अपर कलेक्टर निष्ठा पांडेय तिवारी ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जनदर्शन की समस्याएं एवं मांग सुनी। जनदर्शन में जिन समस्याओं और मांग के लिए पत्र प्राप्त हुए उनमें-सचिव को हटाने, जाति, निवास, आय प्रमाण बनाने, मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान अंतर्गत सामग्री वितरण की बकाया राशि का भुगतान करने, पानी की निकासी व्यवस्था के लिए, प्रधान पाठक की शिकायत, पीएम आवास, सचिव द्वारा की गई अनियमितता की शिकायत, पानी टंकी निर्माण, रिकार्ड दुरूस्ती, सरपंच सचिव को निलंबित करने, पुलिस के कार्यप्रणाली की शिकायत, एकल राशन कार्ड, प्राथमिकता से अन्त्योदय राशन कार्ड और एपीएल से बीपीएल राशन कार्ड बनाने, विधवा निराश्रित पेंशन, गली में अवैध सामग्री को हटाने, बिजली करंट से गाय की मृत्यु पर मुआवजा, सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन सहित अन्य स्वत्वों की भुगतान, फसल नुकसान करने वालों के विरूद्ध शिकायत, शिक्षक व्यवस्था, मछली पालन के लिए 10 वषीय पट्टा, विद्युत खम्भा, एरियर्स भुगतान, निःशक्त प्रोत्साहन राशि दिलाने और चिकित्सक द्वारा सेवा के लिए दी गई आवेदन शामिल है।

बिलाईगढ़ विकासखंड के ग्राम दुरूग की बुजुर्ग महिला पारवती यादव पति फिरतुराम ने प्राथमिकता राशन कार्ड को अन्त्योदय राशन कार्ड बनाने के लिए जनदर्शन में आवेदन दी। अपर कलेक्टर निष्ठा पांडेय तिवारी ने कलेक्टोरेट के खाद्य शाखा से तत्काल बनवाकर हितग्राही पारवती को अन्त्योदय राशन कार्ड प्रदान की।

बारिश में बढ़े पिंक आई के मामले, आंबेडकर अस्पताल में सात दिनों में 300 केस, बचाव के लिए करें उपाय

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी के कई इलाकों में आंखों की पिंक आई (कंजंक्टिवाइटिस) बीमारी तेजी से फैल रही है। आंबेडकर अस्पताल के नेत्र रोग विभाग में पिछले सात दिनों में करीब 300 केस आए हैं। वहीं जिला अस्पताल में हर दिन औसत 20 मरीज पहुंच रहे हैं।

स्वास्थ्य केंद्र वे निजी अस्पतालों के नेत्र रोग विभाग में भी 30 से 40 प्रतिशत तक मरीज इसी के हैं। स्थिति को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने रायपुर समेत सभी जिलों में अलर्ट जारी कर दिया है।

संचालक राज्य महामारी नियंत्रक व नेत्र रोग विशेषज्ञ डाक्टर सुभाष मिश्रा ने बताया कि पिंक आई बीमारी मौसम परिवर्तन की वजह से बारिश के मौसम में सामने आती है। लेकिन इस बार काफी अधिक मामले सामने आ रहे हैं। खतरा इसलिए बढ़ जाता है कि यह कोरोना से भी अधिक तेजी से फैलता है। वहीं समस्या गंभीर होने पर कार्नियल अल्सर भी हो सकता है, जिससे आंखों की रोशनी चली जाती है। इसलिए स्वास्थ्य विभाग ने भी लोगों को जागरूक रहने की अपील की है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com
Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526
Join SJU
अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.वी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी शकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे निश्चित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जायेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जायेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जायेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जायेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जायेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जायेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जायेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जायेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जायेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जायेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
:: Address :: Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।
Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

कांगेर घाटी की बहुरंगी खूबसूरती से मंत्र-मुग्ध हो जाते हैं पर्यटक

❒ तीरथगढ़ में मनाया गया कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान का स्थापना दिवस

❒ कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान फैला है तीरथगढ़ जलप्रपात से कोलाब नदी तक

रायपुर (आरएनएस)। बस्तर के सुप्रसिद्ध कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान का स्थापना दिवस 22 जुलाई को तीरथगढ़ में मनाया गया। इस राष्ट्रीय उद्यान की स्थापना 22 जुलाई 1982 में की गई थी।

इस अवसर पर कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के प्रबंधन एवं संरक्षण, इकोटूरिज्म में विशेष योगदान देने वाले इको-विकास समिति के सदस्य, जिप्सी सफारी संचालक, नेचर गाइड, मैना मित्र, मगर मित्र, पेट्रोलिंग गार्ड, मैदानी कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीसीएफ मोहम्मद शहीद ने आपने उद्बोधन में विभाग के सदस्यों को बधाई दी और कहा कि कांगेर घाटी में आने वाले हर पर्यटक यहां की खूबसूरती से मंत्र-मुग्ध हो जाते है। साथ ही उन्होंने उद्यान में पर्यटकों द्वारा प्लॉस्टिक के इस्तेमाल को रोकने और जागरूक करने लोगों से अपील की।

गौरतलब है कि कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान छत्तीसगढ के जगदलपुर जिला से मात्र 27 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। रायपुर जिला से लगभग 330 किलोमीटर की दूरी पर है। यह उत्तर पश्चिम किनारे पर तीरथगढ़ जलप्रपात से प्रारंभ होकर पूर्व में ओडिसा की सीमा कोलाब नदी तक फैला है। कांगेर नदी इसके बीचो-बीच इठलाती हुई चलती है।

कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान का नाम कांगेर नदी से निकला है, जो इसकी लंबाई में बहती है। कांगेर घाटी लगभग 200 वर्ग किलोमीटर में फैला है। तीरथगढ़ झरना कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में स्थित है। इसके साथ ही साथ केंजरधार और भैंसाधार मगरमच्छ पार्क के लिए लोकप्रिय पर्यटक स्थल हैं। पार्क की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद उठाने के लिए जिप्सी सफारी पर्यटकों के लिए उपलब्ध है।